चिकित्सा शिक्षा विभाग

चिकित्सा शिक्षा विभाग राज्य में चिकित्सा महाविद्यालयों एवं दन्त महाविद्यालयों का प्रशासनिक विभाग है। यह विभाग इन महाविद्यालयों से संबद्ध चिकित्सालयों का भी प्रबंधन करता है। चिकित्सा शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। साथ ही महाविद्यालयों से संबद्ध चिकित्सालय जटिल, गंभीर एवं रेफर किये गये रोगियों के इलाज का महत्वपूर्ण कार्य करते है। राज्य के निजी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं दन्त महाविद्यालयों से संबंधित प्रकरण भी इस विभाग द्वारा निस्तारित किये जाते हैं। देश के स्वतन्त्र होने के समय राजस्थान में केवल एक चिकित्सा महाविद्यालय जयपुर में स्थित था, परन्तु आज राजस्थान में सरकारी एवं निजी क्षेत्र के 23 चिकित्सा महाविद्यालय एवं 16 दन्त महाविद्यालय स्थित हैं। राज्य में वर्ष 2006 से राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। चिकित्सा शिक्षा से संबंधित महाविद्यालय/संस्थान अब इस विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं परन्तु कुछ निजी चिकित्सा महाविद्यालय एवं दन्त महाविद्यालयों द्वारा स्वयं का विश्वविद्यालय स्थापित किये जाने के कारण उनके कॉलेज विश्वविद्यालय स्थापित होने की दिनांक से सम्बद्ध है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग का प्रशासनिक स्वरुप निम्न प्रकार हैः–

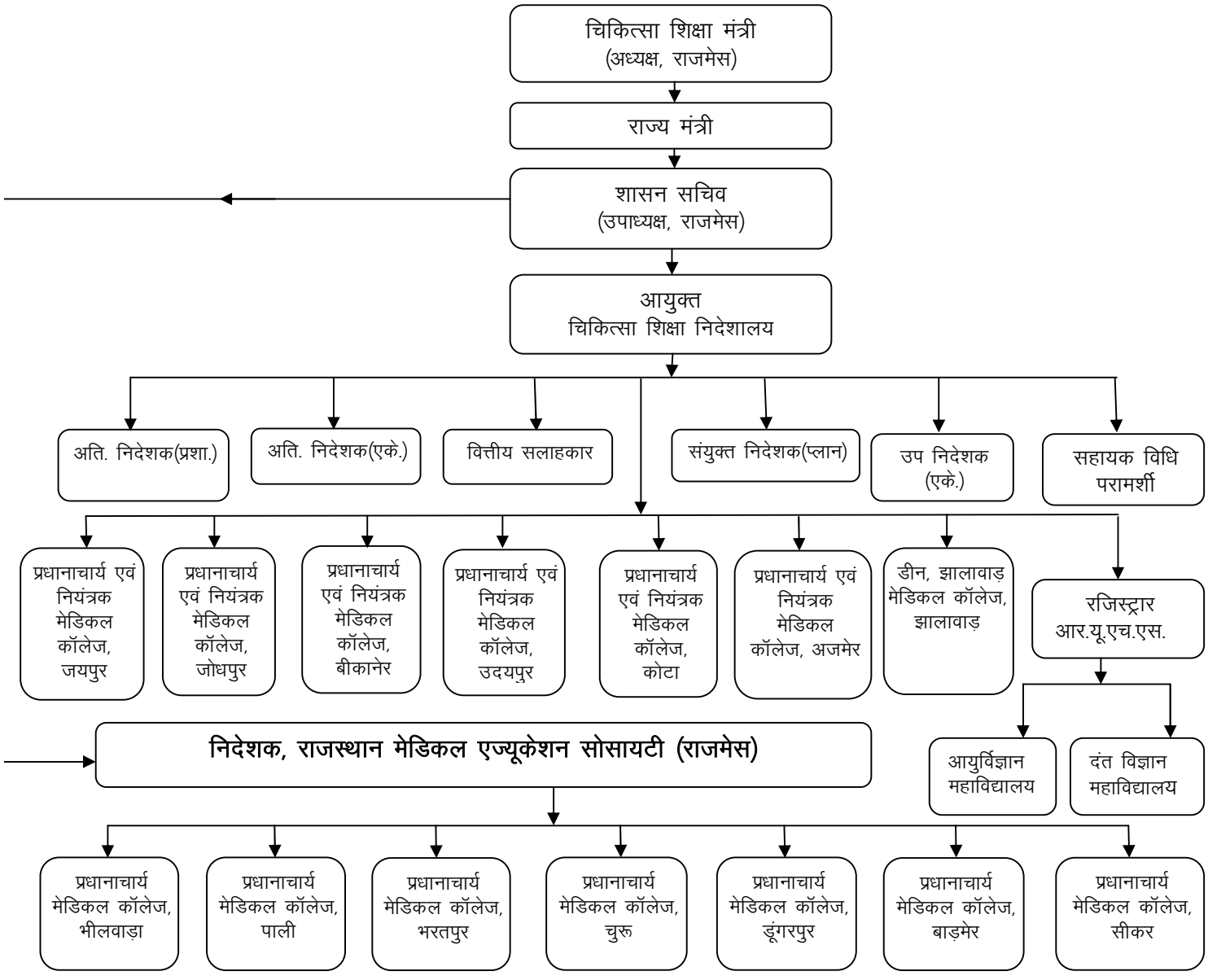

1. राजकीय मेडिकल कॉलेज तथा दन्त कॉलेजः–

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन राजकीय क्षेत्र में 6 मेडिकल कॉलेज, 1 झालावाड़ सोसायटी, 7 राजमेस द्वारा संचालित तथा 1–1 मेडिकल एवं दन्त कॉलेज (राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय) हैं। ये सभी मेडिकल कॉलेज तथा राजकीय दन्त कॉलेज राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। इन मेडिकल/दन्त महाविद्यालयों में विगत तीन वर्षों की वर्षवार अधिस्नातक–स्नातकोत्तर, सुपर स्पेशियलिटी पाठयक्रम में प्रवेश हेतु स्वीकृत सीटों की संख्या एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों में शैय्याओं की संख्या इस प्रकार है–

(अ.) 1. पाठ्यक्रमों का विवरण (मेडिकल, डेन्टल, नर्सिंग, पैरामेडिकल, स्नातक, स्नातकोत्तर व अन्य) वर्ष 2018–19

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता									
		अजमेर	बीकानेर	जयपुर	जोधपुर	कोटा	उदयपुर	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेडिकल साईन्स, जयपुर	झालावाड़	योग	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ डेन्टल साईन्स, जयपुर
1.	एम.बी.बी.एस.	150	250	250	250	150	150	100	150	**1450**	40 (BDS)
2.	पी.जी.(एम.डी.)	79	87	266	91	69	71	–	66	**729**	–
3.	पी.जी.(एम.एस.)	40	43	118	50	28	40	–	24	**343**	–
4.	पी.जी. (डेन्टल) MDS	–	–	–	–	–	–	–	–	–	22
5.	पी.जी. (डिप्लोमा)	–	12	36	–	–	12	–	–	**60**	–
6.	डी.एम.	02	02	32	05	04	02	–	–	**47**	–
7.	एम.सी.एच.	–	02	46	05	02	04	–	–	**59**	–
8.	एम.एस.सी. (मेडिकल)	11	12	05	09	–	02	10	08	**57**	–
9.	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	60	100	100	40	100	50	–	100 (पीपीपी मोड)	**550**	–
10.	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. (नर्सिंग)	–	–	25	20	–	–	–	–	**45**	–
11.	एम.एस.सी. (नर्सिंग)	15	25	25	20	20	15	–	–	**120**	–
12.	पैरामेडिकल	110	80	146	60	40	50	120	30	**636**	–
योग		**467**	**613**	**1049**	**550**	**413**	**396**	**230**	**378**	**4096**	**62**

राज्य के समस्त राजकीय मेडिकल कालेजों में मेडिकल स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा की कुल 1132 एवं सुपरस्पेशियलिटी की 106 सीटें है तथा डेन्टल में स्नातकोत्तर की कुल 22 सीटें है।

(ब.) 1. पाठ्यक्रमों का विवरण (मेडिकल, डेन्टल, नर्सिंग, पैरामेडिकल, स्नातक, स्नातकोत्तर व अन्य)
वर्ष 2019–20

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता									
		अजमेर	बीकानेर	जयपुर	जोधपुर	कोटा	उदयपुर	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेडिकल साईन्स, जयपुर	झालावाड़	योग	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ डेन्टल साईन्स, जयपुर
1.	एम.बी.बी.एस.	200	250	250	250	250	200	150	200	**1750**	50 (BDS)
2.	पी.जी.(एम.डी.)	79	99	296	94	74	71	18	68	**799**	–
3.	पी.जी.(एम.एस.)	40	45	124	50	40	41	3	24	**367**	–
4.	पी.जी. (डेन्टल) MDS	–	–	–	–	–	–	–	–	–	22
5.	पी.जी. (डिप्लोमा)	–	–	–	–	–	12	–	–	**12**	–
6.	डी.एम.	2	2	35	5	4	2	–	–	**50**	–
7.	एम.सी.एच.	**0**	2	54	5	2	4	–	–	**67**	–
8.	एम.एस.सी. (मेडिकल)	11	12	5	9	–	2	10	8	**57**	–
9.	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	60	100	100	40	100	50	100	100 (पीपीपी मोड 58 राजकीय एवं 42 निजी)	**650**	–
10.	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. (नर्सिंग)	–	–	25	20	–	–	–	–	**45**	–
11.	एम.एस.सी. (नर्सिंग)	15	25	25	20	20	20	25	25	**175**	–
12.	पैरामेडिकल	20	20	50	60	–	–	80	–	**230**	–
योग		**427**	**555**	**964**	**553**	**490**	**402**	**386**	**425**	**4202**	**72**

नोटः– राज्य के समस्त राजकीय मेडिकल कालेजों में मेडिकल स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा की कुल 1178 एवं सुपरस्पेशियलिटी की 117 सीटें है तथा डेन्टल में स्नातकोत्तर की कुल 22 सीटें है।

(स.) 1. पाठ्यक्रमों का विवरण (मेडिकल, डेन्टल, नर्सिंग, पैरामेडिकल, स्नातक, स्नातकोत्तर व अन्य)
वर्ष 2020–21

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता									
		अजमेर	बीकानेर	जयपुर	जोधपुर	कोटा	उदयपुर	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेडिकल साईन्स, जयपुर	झालावाड़	योग	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ डेन्टल साईन्स, जयपुर
1.	एम.बी.बी.एस.	250	250	250	250	250	250	150	200	**1850**	50 (BDS)
2.	पी.जी.(एम.डी.)	79	103	323	110	78	91	18	70	**872**	–
3.	पी.जी.(एम.एस.)	40	46	125	51	43	47	3	28	**383**	–
4.	पी.जी. (डेन्टल) MDS	–	–	–	–	–	–	–	–	–	19
5.	पी.जी. (डिप्लोमा)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6.	डी.एम.	2	2	35	12	4	2	–	–	**57**	–
7.	एम.सी.एच.	0	2	54	6	2	4	–	–	**68**	–
8.	*एम.एस.सी. (मेडिकल)	11	12	5	9	–	2	10	8	**57**	–
9.	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	60	100	100	40	100	50	100	100 (पीपीपी मोड 58 राजकीय एवं 42 निजी)	**650**	–
10.	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. (नर्सिंग)	–	–	25	20	–	–	–	–	**45**	–
11.	एम.एस.सी. (नर्सिंग)	15	25	25	20	20	20	25	25	**175**	–
12.	पैरामेडिकल	20	20	50	60	–	–	80	–	**230**	–
योग		**477**	**560**	**992**	**578**	**497**	**466**	**386**	**423**	**4387**	**69**

नोटः– 1. पी.जी. डिप्लोमा सीट्स, पी.जी. डिग्री सीट्स में परिवर्तित हो गयी।

2. वर्ष 2020–21 में एमएससी (मेडिकल) की काउन्सलिंग नही हुयी है।

3. वर्ष 2020–21 की बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की कोरोना के कारण काउन्सलिंग नही हुयी है।

4. पैरा मेडिकल की काउन्सलिंग अभी तक नही हुयी है।

5. उपरोक्त क्र.सं. 8 से 12 तक का डाटा वर्ष 2019–20 के आधार पर अंकित है।

न्यू मेडिकल कॉलेज(राजमेस) के अधीन 5 नवीन मेडिकल कॉलेज शैक्षणिक सत्र वर्ष 2018–19 से, बाड़मेर वर्ष 2019–20 से एवं सीकर वर्ष 2020–21 से प्रारम्भ हो चुके है।

(स.) 2. पाठ्यक्रमों का विवरण (मेडिकल स्नातक)

वर्ष 2018–19

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता							
		भरतपुर	भीलवाडा	चूरू	डूंगरपुर	पाली	बाड़मेर	सीकर	योग
1.	एम.बी.बी.एस.	100	100	100	100	100	0	0	**500**
योग		**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**0**	**0**	**500**

वर्ष 2019–20

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता							
		भरतपुर	भीलवाडा	चूरू	डूंगरपुर	पाली	बाड़मेर	सीकर	योग
1.	एम.बी.बी.एस.	150	150	150	150	150	100	0	**850**
योग		**150**	**150**	**150**	**150**	**150**	**100**	**0**	**850**

वर्ष 2020–21

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता							
		भरतपुर	भीलवाडा	चूरू	डूंगरपुर	पाली	बाड़मेर	सीकर	योग
1.	एम.बी.बी.एस.	150	150	150	150	150	130	100	**980**
योग		**150**	**150**	**150**	**150**	**150**	**130**	**100**	**980**

(द.) चिकित्सा महाविद्यालयों से सबंद्ध संलग्न चिकित्सालयों में विगत तीन वर्षों की वर्षवार शैय्याओं की सूचनाः–

क्र.सं.	नाम कॉलेज	संलग्न चिकित्सालय					
		वर्ष 2018–19		वर्ष 2019–20		वर्ष 2020–21	
		संख्या	शैय्यायें	संख्या	शैय्यायें	संख्या	शैय्यायें
1.	मेडिकल कॉलेज, जयपुर	12	5532	12	5683	12	5702
2.	मेडिकल कॉलेज, जोधपुर	10	3138	10	3164	10	3297
3.	मेडिकल कॉलेज, उदयपुर	7	2286	6	2286	6	2542
4.	मेडिकल कॉलेज, बीकानेर	6	2240	6	2240	6	2450
5.	मेडिकल कॉलेज, अजमेर	3	1428	3	1428	3	1428
6.	मेडिकल कॉलेज, कोटा	5	1687	5	1687	5	2028
7.	मेडिकल कॉलेज, झालावाड	2	865	2	865	2	932
8.	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेडिकल साईन्स, जयपुर (राज. स्वा. वि. वि. का संघटक महाविद्यालय)	1	512	2	1041	2	1211
9.	न्यू मेडिकल कॉलेज(राजमेस)						
	1. भरतपुर	1	525	2	525	2	525
	2. भीलवाड़ा	1	443	1	458	1	458
	3. चूरू	1	300	1	300	1	300
	4. डूंगरपुर	1	285	1	285	1	400
	5. पाली	1	304	1	339	1	339
	6. बाड़मेर	–	–	1	303	1	348
	7. सीकर	–	–	–	–	2	400
	योग	**51**	**19545**	**53**	**20604**	**55**	**22360**
10.	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ डेन्टल साईन्स, जयपुर (राज. स्वा. वि. वि. का संघटक महाविद्यालय)	1	40	1	40	1	22
महायोग		**52**	**19585**	**54**	**20644**	**56**	**22382**

नोटः–आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेड़िकल साईन्स जयपुर (राजस्थान स्वास्थ्य वि.वि. का संघटक महाविद्यालय) में एक और चिकित्सालय 500 बैड से प्रारम्भ।

उपरोक्त समस्त महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों में एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. तथा डिप्लोमा पाठयक्रम संचालित है। मेडिकल कॉलेज, जयपुर में सभी सुपर स्पेशियलिटी विषयों में डी.एम./एम.सीएच. पाठयक्रम तथा मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में कार्डियोलोजी विशिष्ठता में डी.एम. पाठयक्रम एवं मेडिकल

कॉलेज, बीकानेर में डी.एम. (Cardiology) एवं Mch (Urology) पाठयक्रम संचालित है। डी.एम./एम.सीएच. पाठयक्रम प्रवेश क्षमता 125 छात्रों की है।

इन मेडिकल/दन्त कॉलेज से सम्बद्ध अस्पतालों का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.सं.	नाम कॉलेज	सम्बद्ध अस्पताल
1.	मेडिकल कॉलेज, जयपुर	1. सवाई मानसिंह चिकित्सालय 2. जनाना चिकित्सालय 3. महिला चिकित्सालय 4. क्षय एवं वक्ष रोग चिकित्सालय 5. सर पद्मपत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान 6. मनोचिकित्सा केन्द्र 7. संक्रामक रोग चिकित्सालय 8. गणगौरी अस्पताल 9. पुनर्वास एवं अनुसंधान केन्द्र (आर.आर.सी.) 10.सेठी कॉलोनी सेटेलाईट अस्पताल 11. बनीपार्क सेटेलाईट अस्पताल 12. कावंटिया अस्पताल
2.	मेडिकल कॉलेज, जोधपुर	1. महात्मा गांधी चिकित्सालय 2. कमला नेहरू वक्ष चिकित्सालय एवं संक्रामक रोग चिकित्सालय 3. उम्मेद चिकित्सालय 4. मथुरादास माथुर चिकित्सालय 5. मानसिक रोग चिकित्सालय 6. शिवराम नत्थुराम टांक चिकित्सालय मण्डोर 7. पावटा चिकित्सालय 8. महिलाबाग चिकित्सालय 9. चौपासनी हाउसिंग बोर्ड चिकित्सालय 10. प्रताप नगर चिकित्सालय
3.	मेडिकल कॉलेज, उदयपुर	1. महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय 2. पन्नाधाय राजकीय महिला चिकित्सालय 3. सेठ रामविलास भुवालका यक्ष्मा आरोग्य सदन बडी, उदयपुर 4. पुनर्वास अनुसंधान केन्द्र 5. श्री खेमराज कटारा राजकीय सेटेलाईट अस्पताल 6. सुन्दर सिंह भण्डारी सेटेलाईट अस्पताल, चांदपोल, उदयपुर
4.	मेडिकल कॉलेज, बीकानेर	1. पी.बी.एम. मर्दाना चिकित्सालय 2. पी.बी.एम. जनाना चिकित्सालय 3. जी.जी.जे.क्षय एवं वक्ष रोग चिकित्सालय 4. मानसिक रोग चिकित्सालय 5. गंगाशहर सेटेलाईट अस्पताल 6. जिला अस्पताल बीकानेर
5.	मेडिकल कॉलेज, अजमेर	1. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय 2. राजकीय महिला चिकित्सालय 3. आदर्श नगर सेटेलाईट अस्पताल

6.	मेडिकल कॉलेज, कोटा	1. महाराव भीमसिंह चिकित्सालय 2. जे.के. लोन चिकित्सालय 3. न्यू मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय 4. जिला चिकित्सालय रामपुरा कोटा 5. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुल्तानपुर
7.	मेडिकल कॉलेज, झालावाड	1. श्री राजेन्द्र सार्वजनिक चिकित्सालय 2. महिला चिकित्सालय
8.	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेडिकल साईन्स, जयपुर (राज. स्वा. वि. वि. का संघटक महाविद्यालय)	1. जयपुरिया चिकित्सालय 2. आर.यू.एच.एस. कॉलेज अस्पताल
9.	न्यू मेडिकल कॉलेज (राजमेस)	
	1. भरतपुर	1. राज बहादूर मेमोरियल अस्पताल
		2. जनाना अस्पताल
	2. भीलवाड़ा	1. महात्मा गांधी अस्पताल
	3. चूरू	1. डी.बी. अस्पताल
	4. डूंगरपुर	1. श्री हरदेव जोशी अस्पताल
	5. पाली	1. राजकीय बांगड अस्पताल
	6. बाड़मेर	1. राजकीय अस्पताल
	7. सीकर	1. श्री कल्याण राजकीय अस्पताल
		2. एम.सी.एच. अस्पताल
10.	आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ डेन्टल साईन्स, जयपुर (राज. स्वा. वि. वि. का संघटक महाविद्यालय)	1. राजकीय दन्त अस्पताल, जयपुर

2. निजी मेडिकल कॉलेज तथा दन्त कॉलेजः–

राज्य के निजी क्षेत्र में वर्तमान में 8 मेडिकल कॉलेज तथा 15 दन्त कॉलेज संचालित है, जिनमें स्नातक पाठ्यक्रम में क्रमशः एम.बी.बी.एस की 1300 एवं बी.डी.एस. 1460 और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में पी.जी. 427 एवं एम.डी.एस. की 303 एवं सुपर स्पेशियलिटी की कुल 62 (डी.एम. 34 एवं एम.सी.एच. 28) सीटे है तथा विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर पाठयक्रमों का अध्यापन राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, नई दिल्ली एवं भारतीय दन्त परिषद नई दिल्ली की अनुमति से अध्यापन कराया जा रहा है। निम्स मेडिकल कॉलेज, जयपुर, निम्स विश्वविद्यालय से, पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर, पेसिफिक विश्वविद्यालय से, पेसिफिक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेस, सांई यूनिवर्सिटी, उदयपुर से, अमेरिकन इन्टरनेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज, उदयपुर, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से अनन्ता इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेस एण्ड रिसर्च सेन्टर राजसमन्द, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से तथा जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इन्स्टीट्यूट फोर मेडिकल साईन्सेस एण्ड रिसर्च सेन्टर जयपुर, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी से, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, जयपुर महात्मा गांधी विश्वविद्यालय से, गीताजंली मेडिकल कॉलेज, उदयपुर गीताजंली यूनिवर्सिटी, उदयपुर से एवं जयपुर दन्त कॉलेज, जयपुर महाराज

विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी जयपुर से पेसिफिक दन्त कॉलेज उदयपुर, पेसिफिक विश्वविद्यालय से इनके स्थापन की दिनांक से, तथा राज्य के शेष दंत कॉलेज राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्ध हैं। राज्य के निजी क्षेत्र के चिकित्सा एवं दन्त महाविद्यालयों की विगत तीन वर्षों की प्रवेश क्षमता निम्नानुसार हैः–

निजी मेडिकल कॉलेज

क्र. सं.	नाम कॉलेज	स्वीकृत प्रवेश क्षमता											
		वर्ष 2018–19				वर्ष 2019–20				वर्ष 2020–21			
		यू.जी.	पी.जी.	सुपर स्पेशियलिटी		यू.जी.	पी.जी.	सुपर स्पेशियलिटी		यू.जी.	पी.जी.	सुपर स्पेशियलिटी	
				डी.एम.	एम.सी. एच.			डी.एम.	एम.सी. एच			डी.एम.	एम.सी. एच
1.	महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एण्ड अस्पताल, जयपुर	150	98	3	4	150	98	7	4	150	144	22	22
2.	निम्स मेडिकल कॉलेज, जयपुर	100	42	2	1	150	33	2	1	150	45	8	6
3.	गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एण्ड अस्पताल, उदयपुर	150	105	2	0	250	105	4	0	250	105	4	0
4.	पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर	150	0	0	0	150	0	0	0	150	47	0	0
5.	पेसिफिक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेस, उदयपुर	150	0	0	0	150	0	0	0	150	61	0	0
6.	जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इन्स्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइन्सेस एण्ड रिसर्च सेन्टर जयपुर	150	0	0	0	150	0	0	0	150	25	0	0
7.	अनन्ता इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेस एण्ड रिसर्च सेन्टर राजसमन्द उदयपुर	150	0	0	0	150	0	0	0	150	0	0	0
8.	अमेरिकन इन्टरनेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज, उदयपुर	150	0	0	0	150	0	0	0	150	0	0	0
योग		**1150**	**245**	**7**	**5**	**1300**	**236**	**13**	**5**	**1300**	**427**	**34**	**28**

निजी दन्त कॉलेज

क्र. सं.	नाम कॉलेज	स्वीकृत प्रवेश क्षमता					
		वर्ष 2018–19		वर्ष 2019–20		वर्ष 2020–21	
		बी.डी.एस.	एम.डी.एस.	बी.डी.एस.	एम.डी.एस.	बी.डी.एस.	एम.डी.एस.
1.	दर्शन दन्त कॉलेज, उदयपुर	100	30	100	30	100	29
2.	पेसीफिक दन्त कॉलेज, भीलों का बदेला, उदयपुर	100	0	100	0	100	0
3.	जयपुर दन्त कॉलेज, जयपुर	100	44	100	44	100	44
4.	महात्मा गांधी दन्त कॉलेज एण्ड अस्पताल, जयपुर	60	31	60	31	60	31
5.	सुरेन्द्र डेन्टल कॉलेज एवं रिसर्च इन्स्टीट्यूट, श्रीगंगानगर	100	27	100	27	100	27
6.	राजस्थान डेन्टल कॉलेज, जयपुर	100	27	100	27	100	27
7.	जोधपुर डेन्टल कॉलेज, जोधपुर	100	0	100	0	100	0
8.	एकलव्य डेन्टल कॉलेज एवं अस्पताल, कोटपूतली (जयपुर)	100	0	100	0	100	0
9.	व्यास डेन्टल कॉलेज, जोधपुर	100	27	100	27	100	27
10.	निम्स डेन्टल कॉलेज, जयपुर	100	23	100	23	100	23
11.	दासवानी डेन्टल कॉलेज, कोटा	100	20	100	20	100	20
12.	महाराजा गंगासिंह डेन्टल कॉलेज, गंगानगर	100	18	100	18	100	18
13.	आर. आर. डेण्टल कालेज, उदयपुर	50	00	100	00	100	0
14.	गीतांजली डेन्टल कॉलेज, उदयपुर	100	00	100	00	100	10
15.	पेसीफिक दन्त कॉलेज, एयरपोर्ट रोड देबारी, उदयपुर	100	47	100	47	100	47
योग		**1410**	**294**	**1460**	**294**	**1460**	**303**

नोटः–वार्षिक प्रवेश क्षमता राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग एवं भारतीय दन्त परिषद् के निरीक्षण के आधार पर निर्भर रहती है।

3. राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक विभागों में स्वीकृत पदों की स्थितिः–

राजकीय चिकित्सा/दन्त महाविद्यालयों में विषयवार एवं पदवार संकाय सदस्यों की स्थिति निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	विभाग का नाम	आचार्य	सह आचार्य	सहायक आचार्य	वरिष्ठ प्रदर्शक
		स्वीकृत	स्वीकृत	स्वीकृत	स्वीकृत
1.	एनाटोमी	7	18	24	29
2.	बायोकेमेस्ट्री	9	12	47	86
3.	फिजियोलोजी	8	16	20	30
4.	माइक्रोबायोलोजी	7	16	42	88
5.	फार्माकोलोजी	9	14	21	27
6.	पैथोलोजी	16	32	85	161
7.	फॉरेन्सिक मेडिसिन	7	12	17	33
8.	पी एण्ड एस.एम.	10	17	28	31
9.	जनरल मेडिसिन	40	47	89	0
10.	जनरल सर्जरी	31	41	91	0
11.	स्त्री एवं प्रसूति रोग	24	60	78	0
12.	ई.एन.टी.	11	14	18	0
13.	चर्म एवं रति रोग	12	9	14	0
14.	निश्चेतन	31	51	63	0
15.	मनोचिकित्सा	10	15	13	0
16.	वक्ष एवं क्षय रोग	16	12	21	0
17.	अस्थि रोग	18	33	53	0
18.	रेडियोडायग्नोसिस	11	19	77	1
19.	रेडियोथेरेपी	10	12	12	0
20.	शिशु औषध	29	26	64	0
21.	दन्त	6	7	9	3
22.	गैस्ट्रोएन्ट्रोलोजी	9	7	12	0
23.	न्यूरोलोजी	8	6	10	0
24.	न्यूरोसर्जरी	9	11	22	0
25.	यूरोलोजी	8	6	9	0
26.	प्लास्टिक सर्जरी	4	6	6	0
27.	कार्डियोलोजी	11	10	17	0
28.	सीटी सर्जरी	7	7	19	0
29.	शिशु शल्य	7	9	10	0
30.	एन्ड्रोक्रायोनोलोजी	2	1	3	0
31.	रेडियोलोजिकल फिजिक्स	1	2	9	7
32.	ऑफथल्मोलोजी	11	14	29	0

क्र. सं.	विभाग का नाम	आचार्य	सह आचार्य	सहायक आचार्य	वरिष्ठ प्रदर्शक
		स्वीकृत	स्वीकृत	स्वीकृत	स्वीकृत
33.	फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहेबिलिटेशन	4	6	12	2
34.	नेफ्रोलोजी	4	5	10	0
35.	शिशु न्यूरोलोजी	0	0	1	0
36.	शिशु नेफ्रोलोजी	0	0	1	0
37.	शिशु कार्डियोलोजी	0	0	1	0
38.	शिशु गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी	0	0	1	0
39.	सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी	0	0	2	0
40.	शिशु पल्मोमेटी	0	0	1	0
41.	शिशु नवजात	0	0	1	0
42.	मेडिकल ऑन्कोलोजी	1	1	7	0
43.	सर्जिकल ओंकोलोजी	1	1	3	0
44.	बायोफिजिक्स	0	1	4	1
45.	इमरजेन्सी मेडिसन	8	8	14	0
46.	जेरियाट्रिक मेडिसन	6	6	7	0
47.	न्यूक्लियर मेडिसन	0	0	1	0
48.	फार्मेसी	0	1	1	0
49.	रूमेटोलोजी	0	0	2	0
50.	पेलेटिव मेडिसिन	3	4	2	0
51.	सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी (लीवर ट्रांसप्लान्ट)	0	0	4	0
52.	डेन्टल एण्ड प्रोस्थेटिक्स हेड एण्ड नेक कैंसर सर्जरी	0	0	1	0
53.	ट्रोमेटोलोजी एण्ड सर्जरी	1	0	1	0
54.	गुर्दा प्रत्यारोपण (यूरोलोजी)	0	0	3	0
55.	ओरल एण्ड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी	0	0	1	0
56.	गेस्ट्रो इन्टेस्टाइनल सर्जरी	1	1	1	0
योग		**428**	**596**	**1114**	**499**

नोटः– इस तरह से राजकीय चिकित्सा एवं दंत महाविद्यालयों में आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य के स्वीकृत पद 2035 एवं वरिष्ठ प्रदर्शक के स्वीकृत पद 494 है।

4. नियुक्ति एवं पदोन्नतिः–

1. **नियुक्तिः–**सहायक आचार्य, शिशु औषध के 9 पदों पर नव नियुक्ति प्रदान की गई।
2. **पदोन्नतिः–**

- विभिन्न विशिष्ठताओं में वरिष्ठ प्रदर्शक के सहायक आचार्य के 64 पदों पर डीपीसी द्वारा पदोन्नति प्रदान की गई।
- विभिन्न विशिष्ठताओं में 219 चिकित्सक शिक्षकों को डीएसीपी द्वारा पदोन्नति प्रदान की गई।

5. चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः–

1. 15 नये मेड़िकल कॉलेज अलवर, बांरा, बूंदी, बांसवाड़ा, चितौड़गढ़, जैसलमेर, करौली, नागौर, सिरोही, श्रीगंगानगर, दौसा, झुन्झुनू, हनुमानगढ़, टोंक एवं सवाई माधोपुर खोलने के लिये केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के अंतर्गत प्रति मेडिकल कॉलेज प्रोजेक्ट राशि 325 करोड रूपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसमें केन्द्र की हिस्सा राशि 60 प्रतिशत एवं राज्य की हिस्सा राशि 40 प्रतिशत है। उक्त मेडिकल कॉलेजों के निर्माण हेतु कार्यकारी एजेन्सीज के साथ एमओए सम्पादित किया जा चुका है।
2. वर्तमान में 1255 पीजी एवं 125 सुपरस्पेशियलिटी सीट राजकीय मेडिकल कालेजों मे है। राजकीय विभिन्न मेडिकल कालेजों में पीजी सीटों की बढोतरी के लिये सघन प्रयास किये गये। परिणामस्वरूप भारत सरकार से 950 पीजी सीट एवं 11 सुपरस्पेशियलिटी सीटों की बढोतरी की स्वीकृति वर्ष 2019–20 में प्राप्त हुई। 806 सीटों की वृद्धि के लिये National Medical Commission की अनुमति हेतु विभाग के द्वारा Essentiality Certificate जारी कर दिया गया है।
3. विभिन्न मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस सीटों मे वर्ष 2019–20 में 650 एवं वर्ष 2020–21 में 230 सीटों की बढ़ोतरी की गयी, इस प्रकार कुल 880 सीटों की बढ़ोतरी हुई जो वर्ष 2018–19 तक की कुल 1950 एमबीबीएस सीटों का 45 प्रतिशत है। वर्तमान में राजकीय क्षेत्र में राज्य में कुल 2830 एमबीबीएस सीटें है।
4. मेडिकल कॉलेज बाडमेर में शैक्षणिक सत्र 2019–20 से एवं सीकर में शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारंभ हो गया है।
5. राजमेस के सुदृढीकरण हेतु 210 पदों का सृजन किया गया है।
6. प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अन्तर्गत 150 करोड(प्रति कॉलेज) की लागत से कोटा, बीकानेर एवं उदयपुर में सुपरस्पेशयलिटी ब्लॉक का निर्माण कार्य पूर्ण। जयपुर में 200 करोड रूपये की लागत से निर्मित किये जा रहे सुपरस्पेशयलिटी ब्लॉक का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।
7. एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर में मानव अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण ऑर्गनाइजेशन (SOTTO) एवं कॉर्डियो थोरासिक हृदय प्रत्यारोपण ओटी एवं गहन चिकित्सा इकाई का निर्माण

कार्य पूर्ण। इसी क्रम में अन्य मेडिकल कॉलेज के लिये जे.एल.एन. चिकित्सालय अजमेर, न्यू हॉस्पीटल मेडिकल कॉलेज कोटा, महाराणा भूपाल चिकित्सालय उदयपुर एवं पी.बी.एम. हॉस्पीटल बीकानेर को 29.07.2020 को ह्यूमन ऑर्गन एक्ट 1994 के तहत 5 साल के लिये Organ/ Tissue Retrieval Performing के लिये प्रमाण–पत्र जारी कर दिये गये है।

8. सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर में 10 करोड की लागत से 50 बेड्स के एडवांस मेडिकल आईसीयू एवं 2 करोड की लागत से 10 बेड का स्ट्रोक आईसीयू का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
9. जयपुर में टर्सरी केयर कैंसर सेन्टर का भवन निर्माण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उपरोक्त परिसर मे ओपीडी का कार्य शुरू किया गया है।
10. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के 500 बेड़ के नये चिकित्सालय का प्रारंभ किया गया। यह चिकित्सालय वर्तमान में राज्य के डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के रूप में काम आ रहा है।
11. जे.के. लोन अस्पताल, जयपुर में दिनांक 30.01.2020 से बच्चों में ब्रोन्कोस्कोपी की शुरूआत कर दी गयी है, जिससे श्वसन रोगी बच्चों को फायदा।
12. सर पदमपत् मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान जयपुर चिकित्सालय में रजिस्ट्रेशन एवं वेटिंग हॉल तथा ब्लड बैंक की स्थापना। Centre of Excellence for Rare Disease की स्थापना हेतु मल्टीनेशनल कम्पनी Genzyme से एमओयू किया गया, Zonal Reference Centre for Milk Banking की शुरूआत एवं शिशु शल्य विभाग में Laproscopy Simulation Lab की स्थापना।
13. मेडिकल कॉलेज, बीकानेर में 2.86 करोड की लागत से दन्त चिकित्सालय एवं मेडिकल आईसीयू का निर्माण करवाया गया।
14. पी.बी.एम. चिकित्सालय, बीकानेर में प्रसूताओं को दर्द रहित प्रसव सुविधा प्रारंभ की जा चुकी है।
15. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर में 442.50 लाख रू. की लागत से 4 ऑपरेशन थियेटर का नवीनीकरण कर अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओ.टी., 261.00 लाख की लागत से आपातकालीन ईकाई एवं दानदाता के सहयोग से कैंसर रोगियों के उपचार हेतु 240.50 लाख रू. की लागत से ब्रेंकीथैरेपी मशीन की स्थापना की जा चुकी है।
16. मथुरादास माथुर चिकित्सालय, जोधपुर में 5 करोड़ की लागत से नवीन कैथ लैब का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
17. मथुरादास माथुर चिकित्सालय, जोधपुर में 4 ऑपरेशन थियेटर, 10 बेड आईसोलेशन वार्ड एवं 17 बेड आईसीयू का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
18. मेडिकल कॉलेज कोटा में राशि रू. 1209.95 लाख की लागत से सेन्ट्रल लाईब्रेरी का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
19. मेडिकल कॉलेज, कोटा में राशि रू. 1025.14 लाख की लागत से 150 छात्रों के लिए हॉस्टल का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

20. मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में जूनियर बॉयज हॉस्टल, लेक्चर थियेटर ब्लॉक, ओपीडी एवं इन्वेस्टीगेशन एकीकृत ब्लॉक, सीनियर रेजिडेन्ट हॉस्टल का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
21. मेडिकल कॉलेज, डूंगरपुर में सीएसएस के तहत 300 बेड के नवनिर्मित भवन, रेजिडेन्ट हॉस्टल एवं नर्सेज हॉस्टल का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
22. **"The Rajasthan University of Health Sciences Employees (Recruitment and Promotions) Rules, 2020** बनाये गये।
23. चिकित्सा महाविद्यालय जयपुर, बीकानेर, कोटा व उदयपुर के अधीन संलग्न चिकित्सालयों के रूप में एक–एक नवीन सुपरस्पेशियलिटी चिकित्सालय तथा चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर के अधीन संलग्न चिकित्सालय के रूप में स्टेट कैन्सर इन्स्टीट्यूट हेतु नवीन कार्यालय खोले गये।
24. विभिन्न विशिष्टताओं के आचार्य–10, सह आचार्य–11, सहायक आचार्य–64, वरिष्ठ प्रदर्शक–5, सीनियर रेजिडेन्ट–108 तथा जूनियर रेजिडेन्ट–3 पदों का सृजन किया गया।
25. चिकित्सा महाविद्यालय, बीकानेर में इमरजेन्सी मेडिसिन में स्वीकृत 1–आचार्य, 1–सह आचार्य एवं 1–सहायक आचार्य के पदों को समाप्त कर पेलीयेटीव मेडिसिन में 1–आचार्य, 1–सह आचार्य एवं 1–सहायक आचार्य के पदों का सृजन किया गया। चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर में आचार्य मेडिसिन के पद को समाप्त कर आचार्य पेलीयेटीव मेडिसिन तथा सह आचार्य निश्चेतन के पद को समाप्त कर सह आचार्य पेलीयेटीव मेडिसिन के पदों का सृजन किया गया।

कोरोना प्रबंधन हेतु किये गये निर्णय का संक्षिप्त विवरणः–

1. राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में कोविड–19 आरटीपीसीआर टेस्ट की सुविधा उपलब्ध है। राज्य में वर्तमान में कुल क्षमता 60000 टेस्ट प्रतिदिन है।
2. कोविड–19 के अंतर्गत मरीजों को प्लाज्मा थेरेपी से उपचारित किया जाना मरीजों की जिन्दगी बचाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है। राज्य में प्लाज्मा थैरेपी मेडिकल कॉलेज जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, जोधपुर, अजमेर, भरतपुर, पाली एवं भीलवाडा में प्रारम्भ कर दी गयी।
3. वर्तमान में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के नवीन सम्बद्ध चिकित्सालय को 1200 शैय्याओं का डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। आरयूएचएस में 70 शैय्याओं के आई.सी.यू. बेड का निर्माण किया गया, जिसमें रोगियों के उच्च स्तरीय ईलाज हेतु वेन्टीलेटर, मल्टीपैरा मॉनिटर, हाईफ्लो ऑक्सीजन थैरेपी, एक्स–रे ईको, ईसीजी मशीन, डायलिसिस, ब्लड गैस एनालाइजर, उच्च स्तरीय आईसीयू बेड, डी.वी.टी. पम्प एवं सेन्ट्रल पेशेन्ट मॉनिटरिंग सुविधा उपलब्ध है।
4. एस.एम.एस. चिकित्सालय में 32 बेड का एक नया इमरजेन्सी आई.सी.यू. स्थापित किया गया है, जिसमें कोविड मरीजों को जिनकी कोविड–19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है तथा जिनकी पोस्ट कोविड बीमारियों से स्थिति गंभीर है, को रखा जा रहा है।
5. राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधीन चिकित्सालयों एवं राजमेस के अधीन चिकित्सा महाविद्यालयों के संलग्न चिकित्सालयों में 1 वर्ष में 15 ऑक्सीजन जनरेशन प्लान्ट प्रारंभ हो गये है। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अस्पताल में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन स्टोरेज प्लान्ट स्थापित किया जा चुका है। जोधपुर, बीकानेर एवं उदयपुर मेडिकल कॉलेजों में प्लान्ट स्थापित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इससे इन चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

6. चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की स्थापनाः–

माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट भाषण वर्ष 2011–12 की बिन्दु संख्या 58 की क्रियान्विति के क्रम में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रबंध हेतु चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की स्थापना की जा चुकी है। मनो चिकित्सा केंन्द्र, जयपुर के सामने वाली राजकीय भूमि पर चिकित्सा शिक्षा निदेशालय स्थापित हो गया है।

7. निजी मेडिकल/दंत कॉलेजों हेतु शुल्क निर्धारण समिति का गठनः–

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा याचिका संख्या 350/93 इस्लामिक एकेडमी ऑफ एजुकेशन बनाम कर्नाटक सरकार व अन्य में पारित निर्णय दिनांक 14–8–2003 एवं माननीय उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा याचिका सं. 4862/03 विपुल गर्ग बनाम सरकार में पारित निर्णय दिनांक 26–08–2003 की पालना में निजी मेडिकल/दन्त कॉलेज के लिए शुल्क हेतु शुल्क निर्धारण समिति के गठन के निर्देश दिये थे जिनकी अनुपालना में निम्न समिति का गठन किया गया।

7.1 शुल्क रेगुलेटरी कमेटी :–

जस्टिस एस.एन. भार्गव, सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में शुल्क रेगुलेटरी कमेटी का गठन सन् 2003 में किया गया था। यह समिति निजी मेडिकल/दन्त कॉलेजो का शुल्क निर्धारण का कार्य करती है। साथ ही शुल्क संबंधी शिकायतों का निवारण का कार्य भी करती है। निजी मेडिकल/दन्त कॉलेजो के एम.बी.बी.एस., बी.डी.एस. तथा एम.डी./एम.एस. तथा एम.डी.एस. (दन्त) पाठ्यक्रमों का शुल्क निर्धारण किये जाने हेतु समय–समय पर बैठके आयोजित की गई। समिति द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार निम्नांकित शुल्क निर्धारित किया गया (सत्र 2020–21) :–

एम.बी.बी.एस.(अमेरिकन इन्टरनेशन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेस, उदयपुर एवं अनन्ता इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांईन्सेस एण्ड रिसर्च सेन्टर, राजसमन्द, उदयपुर)	15.00 लाख (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
बी.डी.एस.	02.75 लाख (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
एम.डी.एस. (क्लिनिकल)	06.50 लाख (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
एम.डी.एस. (नॉन क्लिनिकल)	05.50 लाख (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
जी.एन.एम.	50 हजार (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
बी.एस.सी. (नर्सिंग)	70 हजार (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
एम.बी.बी.एस.(झालावाड मेडिकल कॉलेज प्राईवेट सीट)	7.20 लाख (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
आर.यू.एच.एस. कॉलेज ऑफ मेड़िकल साईन्स, जयपुर	7.20 लाख (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
एम.फार्मा (निजी कॉलेज)	1 लाख 8 हजार (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
बी.फार्मा (निजी कॉलेज)	84 हजार (प्रति वर्ष प्रति छात्र)
डी.फार्मा (निजी कॉलेज)	54 हजार (प्रति वर्ष प्रति छात्र)

राजमेस द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज (भरतपुर, चुरू, पाली, डूंगरपुर, भीलवाड़ा, बाड़मेर एवं सीकर) की एम.बी.बी.एस. सीटों हेतु सत्र 2020–21 में निम्नानुसार फीस ली जा रही हैः–

35 % सीट पर	रू. 7.50 लाख (प्रतिवर्ष प्रति छात्र)
15 % एन.आर.आई. सीट पर	US $ 1,35,000 (पूर्ण कोर्स प्रति छात्र) / (15000 USD) प्रति सेमेस्टर
शेष 50 % सीट पर	रू. 55,125 (प्रतिवर्ष प्रति छात्र)

* राजकीय मेडिकल कॉलेज कोटा, उदयपुर व अजमेर में 2015 के पश्चात् बढी हुई यू.जी. सीटों की 15 प्रतिशत एन.आर.आई. सीट पर US $ 15000 प्रति सेमेस्टर।

8. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुरः–

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर का गठन राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम–2005 के तहत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान में गुणवत्ता तथा समरूपता लाने के उद्देश्य से किया गया था। विश्वविद्यालय ने दिनांक 01–04–2006 से कार्य प्रारम्भ किया है। आर.यू.एच.एस. मेडिकल कॉलेज एवं राजकीय दंत महाविद्यालय, जयपुर को स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय बनाया गया है।

विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम को लगातार संशोधित एवं उन्नयन करने के लिए तथा कई विभागों एवं विषयों में सामंजस्य के साथ अनुसंधान को प्रोत्साहित कर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान से विशिष्ठता एवं गुणवता के लिए प्रयत्नशील है।